भारत: सीमाएं (Artificial Boundaries)

B.A part-II
paper-III

कृत्रिम सीमाएं (Artificial Boundaries)

भारत की स्थलीय सीमा पर उत्तर में नेपाल, भूटान और तिब्बत, पूरब मे बांग्लादेश एवम म्यांमार और पश्चिम में पाकिस्तान देश स्थित है। कश्मीर की उत्तरी पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान की सीमाएं भी भारत को छूती है जिसे डूरण्ड रेखा कहते हैं।

भारत और चीन के बीच सीमा (Indo China Boundary)

भारत और चीन के बीच की सीमा रेखा को मैकमोहन रेखा कहते है। यह रेखा 1914 में शिमला मे एक त्रिदलीय सम्मेलन (जिसमें भारत, चीन और तिब्बत के राजदूत उपस्थित थे) मे निर्धारण की गयी थी। यह भारत की उत्तरी पूर्वी सीमा है जो 4,224 किलोमीटर से अधिक लम्बी है। कुछ स्थानो पर नदियों ने और कुछ स्थानो पर हिमालय पर्वत की चोटियों या शीर्ष रेखा ने इसे प्राकृतिक रूप से निर्धारित किया है। इस सीमा के समीपवर्ती क्षेत्र पहाड़ी और पथरीले होने के कारण बहुत ही कम बसे है।

यह सीमा रेखा को तीन भागों मे विभक्त किया गया है।

भारत-चीन के बीच सीमा

- पश्चिमी क्षेत्र
- मध्य क्षेत्र
- पूर्वी क्षेत्र

(क) पश्चिमी क्षेत्र - इसका दो-तिहाई भाग तिब्बत और कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में है। यह सीमा 1842 में काश्मीर राज्य के प्रतिनिधि और तिब्बत के दलाईलामा तथा चीन सम्राट के प्रतिनिधियों की एक संधि के अनुसार तय की किया गया था। यह सीमा रेखा लगभग 1,770 किलोमीटर लम्बी है जो भारत, चीन और अफगानिस्तान के मिलन बिन्दु से आरम्भ होती है और जम्मू-कश्मीर राज्य को तिब्बत और सिन्यांग से अलग करती है।

(ख) मध्य क्षेत्र → यह सीमा रेखा हिमालय प्रदेश और उत्तर प्रदेश को तिब्बत से अलग करता है। यह सम्भाग की सीमा हिमालय के जल विभाजक द्वारा अंकित है। इसको सामान्य संधियों और परम्परागत स्वीकृति से मान्यता प्राप्त है। इस रेखा का उल्लेख अप्रैल, 1954 में भारत-चीन समझौते में किया गया है।

(ग) पूर्वी क्षेत्र → सिक्किम और तिब्बत में एक प्राकृतिक सीमा है, जो जल-विभाजक के सहारे फैली है। यह सीमा भूटान से पूरब की ओर भारत-चीन-म्यांमार सीमा के संगम तक लगभग 1,225 किलोमीटर तक फैली है। इसका निर्धारण 1913-14 के त्रिदलीय सम्मेलन में किया गया था।

NEET CLASS